

Publication is ultimate and necessary step of any research. Research is worthless until it not put forward in public Domain. Research is like a chain reaction. Each and every research has some space and this space generate viewpoint for other new research. So, in social interest, research work should be published.

प्रकाशन किसी भी शोध प्रक्रिया का अंतिम चरण अनिवार्य है। शोध निरर्थक है यदि वह लोगों के संज्ञान में नहीं है। यह एक शृंखला क्रिया की तरह है। प्रत्येक अनुसन्धान में कुछ ऐसे अवकाश होते हैं जो एक अन्य स्वतंत्र अनुसन्धान की मांग करते हैं अथवा उसमें ऐसे विचार दृष्टि होते हैं जो अन्य शोध/शोधों को प्रेरित करते हैं। अतः व्यापक सामाजिक हित में शोध का प्रकाशन अनिवार्य है।

### **Publish your Research Paper:**

Original and unpublished Research papers are invited to publish in Shodh Sanchayan, An International Bi-Lingual & Biannual Research Journal

मौलिक एवं अप्रकाशित शोध पत्र शोध संचयन में प्रकाशन हेतु आमंत्रित है।

### **Publish your research Abstract:**

अपने सामाजिक मानविकी अनुसन्धान के शोध सार का ई-प्रकाशन करें। [www.shodh.net](http://www.shodh.net) आपको अपने अनुसंधानों के शोध संक्षिप्तिका के ई-प्रकाशन का अवसर प्रदान करता है।

### **E-publish your research abstract.**

[शोध सारांश के प्रारूप](#)

[Format of Research Abstract](#)

### **Publish your Research Minor/Major Research Project Report:**

आपके वर्षों का अथक परिश्रम का प्रतिभाशाली प्रदर्शन निरर्थक है यदि वह अल्मारिओं के कोने में धूल खाता रहे. आप अपने शोध परियोजना के निष्कर्षों का प्रकाशन अनिवार्य रूप से करें. परियोजना प्रतियोगिता में निम्न बिंदुओं को सम्मिलित करें-

- आपका शोध कार्य ज्ञान के आयाम में क्या नया जोड़ता है?
- शोध की दृष्टि से आपके कार्य की महत्ता?
- शोध कार्य में आने वाली कठिनाइयाँ / सीमाएँ
- आपका शोध कार्य में क्या शोध है जो नए अनुसन्धान का विषय बन सकता है?